



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

10 माघ 1940 (श10)

(सं० पटना 143) पटना, बुधवार, 30 जनवरी 2019

सं० 08/आरोप-01-158/2014-10617/सा0प्र0
सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प

7 अगस्त 2018

श्री राजेश कुमार, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-701/11, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, राजपुर, बक्सर के विरुद्ध अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने संबंधी आरोपों के लिए जिला पदाधिकारी, बक्सर के पत्रांक 1072 दिनांक 07.05.2003 द्वारा आरोप, प्रपत्र-‘क’ प्राप्त हुआ। उक्त आरोप, प्रपत्र-‘क’ की प्रति संलग्न करते हुए विभागीय पत्रांक 3385 दिनांक 05.05.2004 द्वारा श्री कुमार से स्पष्टीकरण की मांग की गयी। श्री कुमार से प्राप्त स्पष्टीकरण (दिनांक 16.09.2004) की प्रति संलग्न करते हुए जिला पदाधिकारी, बक्सर से मंतव्य की मांग की गयी। जिला पदाधिकारी, बक्सर के पत्रांक 1948 दिनांक 04.09.2007 द्वारा मंतव्य प्राप्त हुआ। सम्यक विचारोपरांत मामले की वृहद जाँच हेतु बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के सुसंगत प्रावधानों के तहत विभागीय संकल्प ज्ञापांक 3976 दिनांक 06.05.2009, द्वारा श्री कुमार के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी। विभागीय जांच आयुक्त, बिहार, पटना को इस हेतु संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया।

2. संचालन पदाधिकारी के पत्रांक 344 दिनांक 01.09.2017 द्वारा मामले का जांच प्रतिवेदन प्राप्त हुआ। जिसमें अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने, बिना अनुमति के मुख्यालय से बाहर रहने आदि बहुधा आरोपों को प्रमाणित बताया गया। उक्त जांच प्रतिवेदन की प्रति संलग्न करते हुए विभागीय पत्रांक 11088 दिनांक 29.08.2017 द्वारा श्री कुमार से लिखित अभिकथन/बचाव बयान की मांग की गयी, जिसके अनुपालन में उन्होंने लिखित अभिकथन (दिनांक 26.09.2017) समर्पित करते हुए आरोपों का प्रतिकार किया।

3. अनुशासनिक प्राधिकार के स्तर पर आरोप, जाँच प्रतिवेदन एवं श्री कुमार के स्पष्टीकरण की समीक्षा में यह पाया गया कि प्रमाणित आरोपों के बचाव में प्रस्तुत तथ्य पूर्व में भी उनके स्पष्टीकरण में प्राप्त हुए हैं। जिनकी समीक्षा के उपरांत ही वृहद जाँच का निर्णय लिया गया। इस प्रकार लिखित अभिकथन में कोई नया तथ्य प्रस्तुत नहीं किये जाने के आधार पर आरोपों की प्रमाणिकता यथावत रही तथा उक्त के आलोक में (I) निन्दन एवं (II) संचयात्मक प्रभाव से दो वेतन वृद्धियाँ पर रोक संबंधी दंड विनिश्चित किया गया। विभागीय पत्रांक 15141 दिनांक 29.11.2017 द्वारा कड़िका-(II) में अंकित दंड पर बिहार लोक सेवा आयोग से सहमति मांगी गयी। इस क्रम में आयोग की पूर्ण पीठ द्वारा दी गयी सहमति बिहार लोक सेवा आयोग के पत्रांक 2647 दिनांक 01.02.2018 से प्राप्त हुई।

4. सम्यक विचारोपरांत श्री कुमार को विभागीय संकल्प ज्ञापांक 2906 दिनांक 01.03.2018 द्वारा निम्न दंड संसूचित किया गया:— (I) निन्दन (II) संचयात्मक प्रभाव से दो वेतन वृद्धियों पर रोक।

5. उक्त दंडादेश के विरुद्ध श्री कुमार ने अपना पुनर्विलोकन अभ्यावेदन (दिनांक 11.06.2018) समर्पित किया। जिसमें उनके द्वारा उन्हीं तथ्यों का उल्लेख किया गया, जो पूर्व में समर्पित स्पष्टीकरण में किया गया है।

उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के आलोक में सम्यक विचारोपरांत श्री राजेश कुमार, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक—701/11 तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, राजपुर, बक्सर सम्प्रति अपर समाहर्ता, लोक शिकायत निवारण—सह—जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, भोजपुर, आरा द्वारा समर्पित पुनर्विलोकन अभ्यावेदन को अस्वीकृत करते हुए विभागीय संकल्प ज्ञापांक 2906 दिनांक 01.03.2018 द्वारा संसूचित दंड को यथावत रखा जाता है।

आदेश:— आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति सभी संबंधित को भेज दी जाय।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,

राम बिशुन राय,

सरकार के अवर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 143-571+10-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>